# CHAPTER 16

# गाँधी, नेहरु और यास्सेर अराफात

## PAGE 122 , प्रश्न और अभ्यास

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :1**

**लेखक सेवाग्राम कब और क्यों गया था?**

**उत्तर-** लेखक सेवाग्राम सन 1938 में सेवाग्राम गया था । लेखक गांधी जी से मिलने के लिए बेहद इच्छुक था इसलिए वह सेवाग्राम गया था।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :2**

**लेखक का गाँधी जी के साथ चलने का पहला अनुभव किस प्रकार का रहा ?**

**उत्तर-** लेखक के भाई ने लेखक को पहले ही बता दिया था की गाँधी जी से मिलना हो तो सुबह ७ बजे यही पर आना। गाँधी जी रोज यहीं से गुजरते है। सुबह सात बजे दोनों भागते

दौड़ते वह पहुंचे। लेखक ने उन्हें देखकर आश्चर्यचकित होकर अरे गाँधी जी तो चित्र में भी ऐसे ही दिखते है। गाँधी जी यह सुनकर एक बार मुस्कुराये और आगे चल दिए। कुछ इस प्रकार का अनुभव लेखक का गाँधी जी के साथ पहली बार चलने पर हुआ था।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :3**

**लेखक ने सेवाग्राम -किन लोंगो के आने का जिक्र किया है ?**

**उत्तर-** लेखक ने सेवाग्राम में जवाहरलाल नेहरु,गांधी जी ,यास्सेर अराफात ,पृथ्वीसिंह आज़ाद ,मीरा बेन ,खान अब्दुल गफ्फार खान ,राजेंद्र बाबु ,कस्तूरबा गांधी इन लोगों के आने का ज़िक्र हुआ है ।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :4**

**रोगी बालक के प्रति गाँधी जी का व्यव्हार किस प्रकार का था।**

**उत्तर-** रोगी बालक को देखकर गांधी जी ने उसके पेट पर हाथ फेरा तथा बोले की आज भी लिया है। चलो अब उलटी

करो और उसके पीठ पर सहलाते रहे। थोड़ी देर में बालक स्वस्थ हो गया तो बापू ने खा की "तू भी पागल है। गाँधी का यह व्यवहार रोगी बालक के प्रति था।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :5**

**कश्मीर के लोंगो ने नेहरू जी का स्वागत किस प्रकार किया ?**

**उत्तर-** कश्मीर के लोगों ने नेहरू जी का स्वागत तरह तरह के फूल मालाओं के साथ किया।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :6**

**अखबार वाली घटना से नेहरू जी के व्यक्तित्व की कौन सी विशेषता स्पष्ट होती है ?**

**उत्तर-** अखबार वाली घटना से नेहरु जी की सहनशीलता, मितभाषी और शालीनता का पता चलता है। अखबार वाली घटना इस प्रकार है। लेखक को पता चला की यह अखबार कुछ समय पहले नेहरू जी पढ़ रहे थे तो उन्होंने वह अखबार लेकर पढ़ना प्रारम्भ कर दिया। उन्होंने सोचा की अखबार मांगने के बहाने नेहरू जी उनसे कुछ बात अवश्य करेंगे। जब

नेहरू जी आये तो उन्होंने लेखक से कहा की यदि आपने अखबार पढ़ लिया हो तो मई अखबार पढ़ लू। यह सुनकर लेखक को अति प्रसन्नता हुयी।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :7**

**फिलिस्तीन के प्रति भारत का रवैया बहुत सहानभूतिपूर्ण एवं समर्थन भरा क्यों था?**

**उत्तर-** फिलिस्तीन के प्रति भारत का रवैया बहुत ही सहानुभूतिपूर्ण और समर्थक था क्योंकि कोई भी फिलीस्तीन को आगे बढ़ने नहीं देना चाहता था। फिलिस्तीन के लोग मृदुभाषी थे, बहुत ही सौम्य थे और इन सभी बातों को जानते हुए भारत का रवैया उनके लिए बहुत अच्छा था।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :8**

**अराफात के आतिथ्य प्रेम से सम्बंधित किन्ही दो घटनाओं का वर्णन कीजिये।**

**उत्तर-** अराफ़ात का आतिथ्य प्रेम अपने आप में एक मिसाल है जिसके दो घटना इस प्रकार हैं :

1.यह बड़े प्रेम से शहद का शरबत पीने का आग्रह कर रहे थे
।

2 इतना प्रेम था इनके आतिथ्य में कि वहीँ का अनूठा फल खाने कह रहे थे । बीच बीच में शहद की चटनी के बारे में बताते जा रहे थे ।

**12:1:16:प्रश्न और अभ्यास :9**

**अराफात ने ऐसा क्यों बोलै की 'वे आपके ही नहीं हमारे भी नेता है उतने ही आदरणीय जितने आपके लिए। ' इस कथन के आधार पर गाँधी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिये।**

**उत्तर-** अराफात ने कहा की गन्दी जी आपके ही नेता नहीं है वे हमारे भी नेता है। अराफात द्वारा यह कहना गाँधी जी के व्यक्तित्व को दर्शाता है। कैसे उनकी शिक्षा विश्व के अन्य देशो में अपनायी जा रही है। गाँधी जी अहिंसावादी आंदोलन से हर देश के नेताओं ने प्रेरणा लिया।